आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 15.01.2026 समय : 0705

<><><><><><><><>

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज राष्ट्रमंडल अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के अट्ठाईसवें. सम्मेलन का शुभारंभ करेंगे।
- थल सेना दिवस के अवसर पर उप–राज्यपाल एडमिरल डी के जोशी ने कहा भारतीय सेना अद्वितीय साहस, अनुशासन और निस्वार्थ सेवा का प्रतीक है।
- मत्स्य पालन विभाग की ओर से आज से दो दिवसीय 'आइलैंड सीफूड फेस्टिवल' का आयोजन किया जा रहा है।
- सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत समग्र क्षेत्रीय केंद्र द्वारा कल और 17 जनवरी को 'पर्पल फेयर' का आयोजन किया जाएगा।

<><><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज राष्ट्रमंडल अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के अट्ठाईसवें सम्मेलन का शुभारंभ करेंगे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। 42 राष्ट्रमंडल देशों के 61 अध्यक्ष और पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में भाग लेंगे। इसमें संसदीय कामकाज में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग, सांसदों पर सोशल मीडिया का प्रभाव, संसद की सार्वजनिक समझ को बढ़ाने के लिए अभिनव रणनीतियाँ और मतदान से परे नागरिक भागीदारी जैसे विषय भी शामिल होंगे।

<><><><><><><><>

थल सेना दिवस के अवसर पर उप–राज्यपाल एडमिरल डी के जोशी ने भारतीय सेना के सभी कर्मियों, पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और उनके परिवारजनों को हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना अद्वितीय साहस, अनुशासन और निस्वार्थ सेवा का प्रतीक है। भारत की संप्रभुता, एकता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा की सर्वोच्च जिम्मेदारी निभाते हुए, सेना ने हर चुनौती के सामने हमेशा दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया है। राष्ट्रीय रक्षा के अपने मुख्य कर्तव्य के अलावा, भारतीय सेना ने प्राकृतिक आपदाओं और मानवीय आपात स्थितियों के दौरान हमेशा आगे बढ़कर राष्ट्र की सेवा की है। विकसित होती सुरक्षा चुनौतियों के इस दौर में, भारतीय सेना आधुनिकीकरण, तकनीकी प्रगति और नवाचार के माध्यम से एक निर्णायक परिवर्तन से गुजर रही है। यह विजन सेना की परिचालन तत्परता और रणनीतिक उत्कृष्टता के

प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने इस विशेष अवसर पर, उन वीर शहीदों को अपनी श्रद्धांजलि दी है, जिन्होंने राष्ट्र की सेवा में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार कमान की ओर से कल ब्रिचगंज मिलिट्री स्टेशन के लिकाबाली ऑडिटोरियम में द्वीप समूह के पूर्व सैनिकों के लिए सशस्त्र बल पूर्व सैनिक दिवस का आयोजन किया गया। ब्रिचगंज मिलिट्री स्टेशन के 'बायोनेट चौक' पर कमांडर–इन–चीफ वाइस एडमिरल अजय कोचर ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर पूर्व सैनिक और उनके परिजन उपस्थित थे। कमांडर–इन–चीफ ने द्वीपसमूह में रहने वाले पूर्व सैनिकों और वीर नारियों के कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। साथ ही राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान की सराहना की, जिनमें बेहतर स्वास्थ्य सेवा सहायता और पूर्व सैनिकों की समस्याओं का समय पर समाधान सुनिश्चित करना शामिल है। पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए समय–समय पर जागरूकता व्याख्यान, स्वास्थ्य सत्र और सामुदायिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है।

<><><><><><><>

महान स्वतंत्रता सेनानी डॉ. दीवान सिंह "कालेपानी" का 83वाँ शहीदी दिवस खालसा पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में देशभक्ति और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सांसद बिष्णु पद रे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने विद्यार्थियों को सरकारी योजनाओं और विकास पहलों के बारे में जानकारी दी। पद्मश्री नरेश चंद्र लाल ने भी डॉ. दीवान सिंह को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर छात्रों के लिए चित्रकला, निबंध लेखन और भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विजेताओं को पदक और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

<><><><><><><>

मत्स्य पालन विभाग की ओर से आज और कल मरीना पार्क में 'आइलैंड सीफूड फेस्टिवल' का आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव शाम 5:30 बजे से रात 9:30 बजे तक चलेगा। इस वर्ष का विषय "सभी के लिए सुरक्षित, पौष्टिक और टिकाऊ सीफूड" रखा गया है। कार्यक्रम के तहत आज सुबह 10 बजे से जंगलीघाट में नौका दौड़ आयोजित की जाएगी। शाम 3 बजे से मरीना पार्क में 'मिस्टर और मिसेज शेफ' प्रतियोगिता का आयोजन होगा, जिसमें स्थानीय समुद्री भोजन से बने व्यंजनों का प्रदर्शन किया जाएगा। उत्सव में मत्स्य उद्यमियों, सहकारी समितियों, होटलों, और महिला स्वयं सहायता समूहों के स्टॉल लगाए जाएंगे।

<><><><><><><>

आइलैंड्स सी–फूड फेस्टिवल के आयोजन को देखते हुए मरीना पार्क रोड को आज और कल बंद रखा जाएगा। लाइट हाउस रेजिडेंसी से लेकर गर्ल्स स्कूल के प्रथम जंक्शन तक सड़क पर यातायात प्रतिबंध लागू रहेगा। प्रशासन ने लोगों से वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की सलाह दी है।

<><><><><><><>

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत समग्र क्षेत्रीय केंद्र द्वारा कल और 17 जनवरी को 'पर्पल फेयर' का आयोजन किया जाएगा। प्रशासन, समाज कल्याण विभाग और शिक्षा विभाग के सहयोग से आयोजित यह दो दिवसीय मेला दिव्यांगजनों की क्षमताओं, आकांक्षाओं और उपलब्धियों का एक समावेशी मंच है। मेले के दौरान खेल प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम, जागरूकता अभियान और सामुदायिक जुड़ाव जैसी विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाएगी। दिव्यांगजनों के लिए खेल स्पर्धाओं का आयोजन किया जाएगा। पंजीकरण के लिए 9632490149 पर संपर्क किया जा सकता है।

<><><><><><><>

समग्र क्षेत्रीय केंद्र ने पी एम–दक्ष कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 'असिस्टेंट प्लांट केयर टेकर' पाठ्यक्रम के अंतर्गत सिप्पीघाट नर्सरी का क्षेत्र भ्रमण आयोजित किया। इस भ्रमण में 30 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान नर्सरी संचालन, पौधों के रख–रखाव, फूलों की सजावट और बुनियादी उद्यमशीलता कौशल पर ध्यान केंद्रित किया गया। आत्मा के ब्लॉक टेक्नोलॉजी मैनेजर ने नर्सरी प्रथाओं और सरकारी कृषि पहलों की जानकारी दी।

<><><><><><><>

मकर संक्रांति के अवसर पर आज विश्व हिंदू परिषद, की ओर से कार्बाइंस कोव तट पर कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर विशेष पूजा–पाठ और भजन–कीर्तन के कार्यक्रम होंगे। सभी श्रद्धालुओं के लिए दोपहर 12 बजे से भोग की विशेष व्यवस्था की गई है।

<><><><><><><>

ग्रामीण विकास, पंचायती राज संस्थान और शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय की ओर से द्वीपसमूह की सभी ग्राम पंचायतों के पंचायत सचिवों और अन्य पदाधिकारियों के लिए 'मेरा गाँव मेरी धरोहर' विषय पर एक क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह पहल संस्कृति मंत्रालय द्वारा पंचायती राज मंत्रालय के सहयोग से शुरू की गई है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर विरासत डेटा का दस्तावेजीकरण, सत्यापन और डिजिटल प्रविष्टि सुनिश्चित करना है। पंचायत सचिवों और अन्य कर्मियों के

लिए कल लेवल–3 जिला स्तरीय ऑनलाइन प्रशिक्षण संपन्न हुआ। इसमें प्रतिभागियों को MGMD पोर्टल पर डेटा प्रविष्टि पर जानकारी दी गई। ग्रामीण विकास विभाग के सहायक निदेशक ने जमीनी स्तर पर सटीक डेटा संग्रह और सत्यापन सुनिश्चित करने में क्षेत्रीय कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। यह पहल गाँवों की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को सहेजने और उन्हें डिजिटल मंच पर लाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

<><><><><><><><>

उम्मत पब्लिक स्कूल ने हाल ही में वार्षिक एथलेटिक मीट का आयोजन किया। इस अवसर पर वार्ड नंबर 21 की पार्षद, ए. सेल्वा रानी ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थी। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित आई. ए. खान ने छात्रों और कर्मचारियों के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए शारीरिक शक्ति, मानसिक लचीलापन और नैतिक चरित्र निर्माण में खेलों के महत्व पर बल दिया।

<><><><><><><><>